दैनिक जागरण

प. बंगाल, झारखंड, बिहार, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश से प्रकाशित

में मतदान आज 11 | केकेआर के हुए अजिंक्य रहाणे, राज वावा को पंजाब किंग्स ने खरीदा 1

डिजिटल एजुकेशन बिना शिक्षा संभव नहीं

संवाद सहयोगी, आसनसोल : इस विज्ञान के युग में बिना तकनीक के डिजिटल एजुकेशन संभव नहीं है। दो साल से कोविड की वजह से जहां दुनिया में लाखों लोगों ने अपनी जानें गवाईं, लाखों बच्चे छात्र छात्राएं स्कूल से दो साल तक दूर रहे। इस कठिन समय में विद्यालय कालेज एवं महाविद्यालय में शिक्षा का माध्यम पूरे विश्व में डिजिटल एजुकेशन के माध्यम से आन लाइन क्लासेस थे। उक्त बातें रविवार को पुरुलिया के रामकनाली स्थित बीके एम कालेज के सभागार में कोलकाता से आए नेताजी ओपन यूनिवर्सिटी के निदेशक डाक्टर अनिर्बान घोष ने नेताजी ओपन यूनिवर्सिटी के सहयोग

मुख्य अतिथि के रूप में अपने विचार रखते हुए डा अनिर्बान घोष • जागरण

से बीके एम कालेज के राज्य सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि 2020 से 2022 तक केंद्र सरकार के शिक्षा विभाग एवं राज्य सरकार शिक्षा विभाग की ओर से शिक्षा बजट में डिजिटल एजुकेशन में करोड़ों रुपये खर्च किया। इसके परिणाम भी सकारात्मक रहे।

नेताजी ओपन यूनिवर्सिटी की सहायक प्रोफेसर डाक्टर पापिया उपाध्याय ने कहा कि डिजिटल एजुकेशन की क्रांति से ही विगत दो सालों से पूरी दुनिया के छात्र छात्राएं अपनी पढ़ाई आन लाइन क्लासेज से कर पाए, जिसे हमने आज टेबलेट कंप्यूटर के माध्यम से पूरी की उन्होंने कहा कि मनुष्य आज के युग में बिना तकनीकी ज्ञान के अधूरा है। मौके पर पुरुलिया अस्पताल के अधीक्षक डाक्टर कुणाल कांति दे ने कहा कि पूरी दुनिया में जब कोरोना की वजह से लोग अपने घरों में दुबके थे तब मेडिकल की दुनिया में डिजिटल एजुकेशन के माध्यम से बहुत नई-नई जानकारियां हासिल की गई एवं लाखों लोगों की जान बचाई गई। कार्यक्रम में सबसे पहले बी के एम कालेज के संचालन समिति सदस्य शिवराम बर्मन अनूप खटवा एवं तापस मिश्रा ने उपस्थित सभी अतिथियों को पुष्प गुच्छ एवं शाल प्रदान कर सम्मानित किया। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

जबकि कालेज के प्रिंसिपल रणजीत नायक ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रोफेसर पद्मकाशी चन्दवी, जाय सरकार, तापस मिश्रा, पिंटू मंडल, विश्वजीत चटर्जी, एस पी सरकार की महत्वपूर्ण भूमिका थी।

विज्ञापन संख्या-24/2022

कैंसर जागरूकता शिविर का आयोजन